Toppersnotes®
Unleash the topper in you

Rajasthan – CET

Senior Secondary Level

Common Eligibility Test (CET)

Volume - 4

General Hindi & English

SIERRA INNOVATIONS

INDEX

S No.	Chapter Title	Page No.
1	संधि	1
2	समास	13
3	उपसर्ग	23
4	प्रत्यय	27
5	विलोम शब्द	32
6	पर्यायवाची शब्द	38
7	अनेकार्थी शब्द	43
8	शब्द युग्म	47
9	संज्ञा	55
10	सर्वनाम	57
11	विशेषण	59
12	क्रिया	62
13	अव्यय एवं अविकारी शब्द	65
14	वाक्य शुद्धि	69
15	वर्तनी शुद्धि	73
16	वाक्य के एक शब्द	78
17	मुहावरे	86
18	लोकोक्तियाँ	94
19	पारिभाषिक शब्दावली	101
20	पत्र लेखन	113
21	Articles	130
22	Tense	135
23	Voices	140

INDEX

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Narration	146
25	Preposition	151
26	Important Synonyms and Antonyms	161
27	One Word Substitution	166
28	Reading Comprehension	170
29	Letter Writing (पत्र लेखन)	181

1 CHAPTER संधि

- संधि शब्द का अर्थ है - **वर्ण विकार।**
- दो वर्णों या ध्वनियों के परस्पर व्यवधान रहित संयोग से होने वाले परिवर्तन (विकार) को **संधि** कहते हैं।

उदाहरण के रूप मे → विद्यालय = विद्या + आलय

- अर्थात **विद्या** शब्द का अंतिम वर्ण मे **"आ"** और **आलय** का प्रारम्भिक वर्ण **"आ"** के समीप आने पर दो दीर्घ वर्णों के स्थान पर एक **"आ"** वर्ण रूप मे **एकादेश** हो जाता हैं ।
- **श्री किशोरी दास वाजपेयी के अनुसार**, "जब दो या अधिक वर्ण पास-पास आते हैं तो कभी-कभी उनमें रूपांतर हो जाता है। इसी रूपांतर को संधि कहते हैं।"
- दूसरी तरफ, इस परिवर्तन से इन ध्वनियों या वर्णों को पुनः अपने मूल रूप में लाने की प्रक्रिया **संधि-विच्छेद** कहलाती है।
- **उदाहरण स्वरूप -**
  - ✓ **संधि :** महा + ईश = महेश [आ + ई =ए (यही परिवर्तन/विकार है)]
  - ✓ **संधि-विच्छेद:** महेश = महा + ईश (पुनः अपने मूल रूप में)

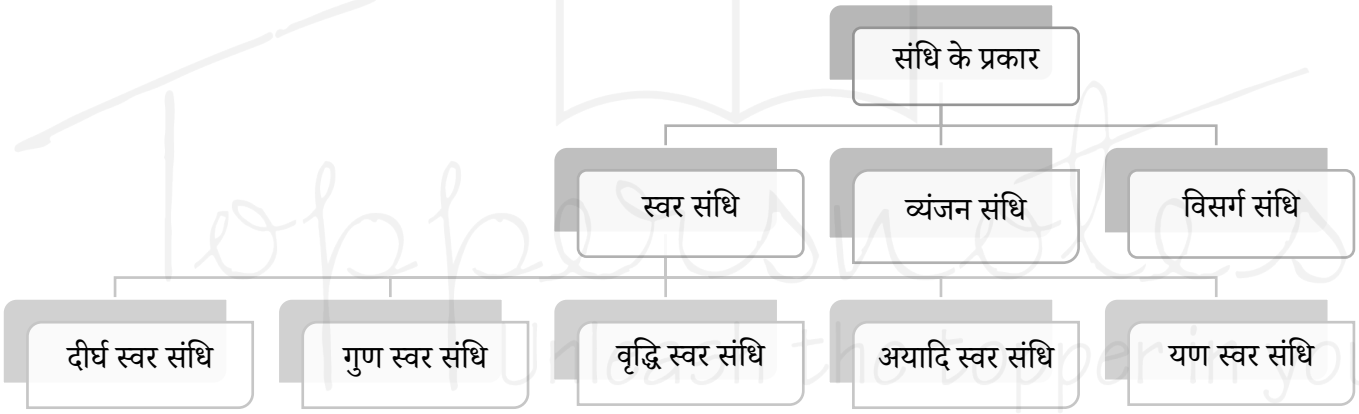

स्वर संधि

- दो **स्वरों के मेल** से उत्पन्न होने वाले विकार या परिवर्तन को **स्वर संधि** कहते है।

उदाहरण के लिए - भाव + अर्थ = भावार्थ

- यहाँ 'भाव' शब्द का अंतिम स्वर 'अ' एवं 'अर्थ' शब्द का पहला स्वर 'अ', दोनों स्वरों के) से 'आ' स्वर की उत्पत्ति हुई, जिससे 'भावार्थ' शब्द का निर्माण हुआ। स्वरों के ऐसे मेल को स्वर-संधि कहते है।

दीर्घ स्वर संधि :

- दो समान स्वर मिलकर जब दीर्घ स्वर में बदल जाते है तो वहाँ **दीर्घ स्वर संधि** होती है।

  या
- यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ तथा 'ऋ' स्वरों के पश्चात् ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ या ऋ स्वर आएँ तो दोनों मिलकर क्रमश: आ, ई, ऊ तथा ॠ हो जाते हैं।

उदाहरण :

स्वर	उदाहरण शब्द	संधि से बना नया शब्द
अ + अ = आ	दैत्य + अरि	दैत्यारी
	अन्य + अन्य	अन्यान्य
	मध्य+अवधि	मध्यावधि
	दिवस + अवसान	दिवसावसान
	दीप + अवली	दीपावली
	समान + अधिकार	समानाधिकार
	कल्प + अंत	कल्पान्त
	स + अवधान	सावधान
	मार्त + अण्ड	मार्तण्ड
	दिन + अन्त	दिनान्त
	सुख + अन्त	सुखान्त
	अन्न + अभाव	अन्नाभाव
	सह + अनुभूति	सहानुभूति
	पर + अधीन	पराधीन
	उत्तर + अयन	उत्तरायण
	अधिक + अंश	अधिकांश
	पाठ + अंतर	पाठान्तर
अ + आ = आ	देव + आनन्द	देवानन्द
	पुस्तक + आलय	पुस्तकालय
	भोजन + आलय	भोजनालय
	देव + आलय	देवालय
	न्याय + आलय	न्यायालय
	पत्र + आलय	पत्रालय
	मरण + आसन्न	मरणासन्न
	हिम + आलय	हिमालय
	शिव + आलय	शिवालय
आ + अ = आ	विद्या + अर्थी	विद्यार्थी
	तथा+अपि	तथापि
	महा + अर्णव	महार्णव
	परीक्षा + अर्थी	परीक्षार्थी
	यथा + अर्थ	यथार्थ
	विद्या + अभ्यास	विद्याभ्यास
	आज्ञा + अनुसार	आज्ञानुसार
	तथा + अस्तु	तथास्तु
आ + आ = आ	विद्या + आलय	विद्यालय
	श्रद्धा + आनंद	श्रद्धानंद
इ + इ = ई	कवि + इन्द्र	कवीन्द्र
	रवि + इंद्र	रवीन्द्र
	अभि + इष्ट	अभीष्ट
	अति + इव	अतीव
ई + इ = ई	मही + इन्द्र	महीन्द्र
	शची + इंद्र	शचींद्र
	फणी+ इन्द्र	फणीन्द्र
	सुधी + इन्द्र	सुधीन्द्र
	देवी + इच्छा	देवीच्छा
इ + ई = ई	गिरि + ईश	गिरीश
	कपि + ईश	कपीश
	परि + ईक्षा	परीक्षा
	हरि + ईश	हरीश
	मही + ईश	महीश
ई + ई = ई	रजनी + ईश	रजनीश
	पृथ्वी + ईश	पृथ्वीश
	फणी + ईश्वर	फणीश्वर
	नारी + ईश्वर	नारीश्वर
उ + उ = ऊ	भानु + उदय	भानूदय
	गुरु + उपदेश	गुरूपदेश
	सु + उक्ति	सूक्ति
उ + ऊ = ऊ	वसु + उत्सव	वसूत्सव
	अम्बु + ऊर्मि	अंबूर्मि
	धातु + ऊष्मा	धातूष्मा
ऊ + ऊ = ऊ	भू + ऊर्जा	भूर्जा
	वधू + ऊर्मि	वधूर्मि
	भू + ऊर्ध्व	भूर्ध्व
ऋ + ऋ = ऋ	पितृ + ऋण	पितृण

गुण संधि :

- इस संधि के तहत यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' की ध्वनि आती है तो वह 'ए' में बदल जाती है, 'उ' या 'ऊ' की ध्वनि आती है तो वह 'ओ' में बदल जाती है तथा 'ऋ' की ध्वनि आती है तो वह 'अर्' में बदल जाती है।
- अ, ए एवं ओ वर्णों को 'गुण' वर्ण कहा जाता है।

उदाहरण :

स्वर	शब्द	नया शब्द (संधि)
अ + इ = ए	देव + इन्द्र	देवेन्द्र
अ + ई = ए	प्र + इषिति	प्रेषिति
आ + इ = ए	प्र + इत	प्रेत
आ + ई = ए	शुभ + इच्छा	शुभेच्छा
	राम + इन्द्र	रमेन्द्र
	गण + ईश	गणेश
	खग + ईश	खगेश
	यथा + इष्ट	यथेष्ट
	राजा + इन्द्र	राजेन्द्र
	रमा + ईश	रमेश
	नर+ इन्द्र	नरेंद्र
	सुर + इंद्र'	सुरेंद्र
	उप + इन्द्र	उपेन्द्र
	जित + इन्द्रिय	जितेन्द्रिय
	परम + ईश्वर	परमेश्वर
	महा + ईश्वर	महेश्वर
	देव + ईश	देवेश
	महा + इन्द्र	महेन्द्र
	नर + ईश	नरेश
	नाग + ईश	नागेश
	भुवन + ईश्वर	भुवनेश्वर
	सुर+ ईश	सुरेश
	भारत + इंदु	भारतेंदु
	हृषीक + ईश	हृषीकेश
अ + उ = ओ	वीर + उद्धत	वीरोद्धत
	प्र + उत्साहन	प्रोत्साहन
	पुष्प + उद्यान	पुष्पोद्यान
	प्राप्त + उदक	प्राप्तोदक
	वन + उत्सव	वनोत्सव
	हिम + उपल	हिमोपल
	पूर्ण + उपमा	पूर्णोपमा
	सर्व + उदय	सर्वोदय
	सांग + उपांग	सांगोपांग
	दीप + उत्सव	दीपोत्सव
	सूर्य + उदय	सूर्योदय
	सर्व + उत्तम	सर्वोत्तम
	कर्ण + उद्धार	कर्णोध्दार
	चन्द्र + उदय	चन्द्रोदय
	पर + उपकार	परोपकार
अ + ऊ = ओ	जल + ऊर्मि	जलोर्मि
	प्र + ऊढ़	प्रौढ़
	नव + ऊढ़ा	नवोढ़ा
	अक्ष + ऊहिनी	अक्षौहिणी
आ + उ = ओ	महा + उत्सव	महोत्सव
	महा + उदधि	महोदधि
	यथा + उचित	यथोचित
	महा + उदय	महोदय
	महा + उर्मि	महोर्मि
आ + ऊ = ओ	गंगा + ऊर्मि	गंगोर्मि
	यमुना+ऊर्मि	यमुनोर्मि
अ + ऋ = अर्	कपट + ऋषि	कपटर्षि
	अधम + ऋण	अधर्मण
	देव + ऋषि	देवर्षि'
	राज + ऋषि	राजर्षि
	सप्त + ऋषि	सप्तर्षि
आ + ऋ = अर्	महा + ऋषि	महर्षि

वृद्धि संधि :

- इस संधि के तहत यदि ‘अ’ या ‘आ’ के बाद ‘ए’ या ‘ऐ’ की ध्वनि आती है तो वह 'ऐ' में और यदि 'ओ' या 'औ' की ध्वनि आती है तो वह 'औ' में बदल जाती है।
- आ, ऐ एवं औ वर्णों को 'वृद्धि' वर्ण कहते हैं।

उदाहरण :

संधि	शब्द	नया शब्द (संधि फल)
अ + ए = ऐ	एक + एक	एकैक
	जीव + एषणा	जीवैषणा
अ + ऐ = ऐ	परम + ऐश्वर्य	परमैश्वर्य
	भाव + ऐक्य	भावैक्य
	मत + ऐक्य	मतैक्य
	तत्र + एव	तत्रैव
	विश्व+ऐक्य	विश्वैक्य
आ + ए = ऐ	सदा + एव	सदैव
	तथा + एव	तथैव
आ + ऐ = ऐ	महा + ऐश्वर्य	महैश्वर्य
	विद्या + ऐश्वर्य	विद्यैश्वर्य

अ + ओ = औ	परम + ओज	परमौज
आ + ओ = औ	महा + ओजस्वी महा + औदार्य	महौजस्वी महौदार्य
अ + औ = औ	वन + औषधि	वनौषधि
आ + औ = औ	महा + औषध	महौषध

यण् संधि :

- इस संधि के अंतर्गत यदि 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ' तथा ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो वे निम्नानुसार परिवर्तित हो जाते है -
  - ✓ इ / ई → य् ,
  - ✓ उ / ऊ → व् ,
  - ✓ ऋ → र्।
- साथ ही बाद वाले शब्द के पहले स्वर की मात्रा य्, व्, र् में लग जाती है।
- वि + अव + हार = व्यवहार (इसमें 'अव' मूल शब्द 'वि' उपसर्ग तथा 'हार' प्रत्यय है।)

उदाहरण :

संधि का नियम	**संधि-विच्छेद (मूल शब्द)**	**नया शब्द (संधि-फल)**
इ + अ = 'य्'	अति + अधिक	अत्यधिक
	यदि + अपि	यद्यपि
	प्रति+अय	प्रत्यय
	प्रति + अंग	प्रत्यंग
	गति + अवरोध	गत्यवरोध
	अभि + अर्थी	अभ्यर्थी
	वि + अभिचार	व्यभिचार
	रीति + अनुसार	रीत्यनुसार
	इति + अर्थ	इत्यर्थ
	वि + अर्थ	व्यर्थ
	अति + अल्प	अत्यल्प
	अनु + अय	अन्वय
इ + आ = य	इति + आदि	इत्यादि
	वि + आकुल	व्याकुल
	अति + आवश्यक	अत्यावश्यक
	प्रति + आरोपण	प्रत्यारोपण
	वि + आयाम	व्यायाम
	अति + आचार	अत्याचार
ई + अ = 'य्'	नदी + अर्पण	नद्यर्पण
	देवी + अर्पण	देव्यर्पण
	देवी + अर्थ	देव्यर्थ
ई + आ = य	नदी + आगम	नद्यागम
	देवी + आगम	देव्यागम
	सरस्वती + आराधन	सरस्वत्याराधन
इ + उ = यु	अति + उत्तम	अत्युत्तम
	प्रति + उपकार	प्रत्युपकार
	प्रति + उत्तर	प्रत्युत्तर
	अति + उक्ति	अत्युक्ति
	अति + उत्तम	अत्युत्तम
	अभि + उदय	अभ्युदय
	उपरि + उक्त	उपर्युक्त'
ई + उ = यु	सखी + उचित	सख्युचित
	स्त्री + उपयोगी	स्त्र्युपयोगी
इ + ऊ = यू	अति + ऊष्म	अत्यूष्म
	नि + ऊन	न्यून
ई + ऊ= यू	नदी + ऊर्मि	नद्यूर्मि
इ + ए = ये	प्रति + एक	प्रत्येक
	देवी + एकता	देव्येकता
इ + ऐ = यै	देवी + ऐश्वर्य	देव्यैश्वर्य
इ + ओ = यो	दधि + ओदन	दध्योदन
उ + अ = व्	सु + अच्छ	स्वच्छ
	सु + अल्प	स्वल्प
	मधु + अरि	मध्वरि
उ + आ = वा	सु + आगत	स्वागत
	गुरु + आश्रम	गुर्वाश्रम
ऊ + आ = वा	भू + आदि	भ्वादि
	वधू + आगमन	वध्वागमन
उ + ए = वे	अनु + एषण	अन्वेषण

उ + इ = वि	अनु + इति धातु + इक	अन्विति धात्विक
ऊ + इ = वि	वधू + इच्छा	वध्विच्छा
ऋ + अ = र्	पितृ + अनुमति	पित्रनुमति
ऋ + आ = र	पितृ + आज्ञा मातृ + आज्ञा मातृ + आनन्द पितृ + आदेश	पित्राज्ञा मात्राज्ञा मात्रानन्द पित्रादेश
ऋ + इ = रि	मातृ + इच्छा	मात्रिच्छा
ऋ + उ= रु	भ्रातृ + उपकार	भ्रात्रुपकार

अयादि संधि :

- यदि 'ए' या 'ऐ' और 'ओ' या 'औ' के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो निम्न रूप से विकार देखने को मिलता हैं।
  - ✓ ए → अय् में,
  - ✓ ऐ → आय् में ,
  - ✓ ओ → अव्
  - ✓ औ → आव्

उदाहरण :

संधि का नियम	संधि-विच्छेद (मूल शब्द)	नया शब्द (संधि-फल)
ए + अ = अय	ने + अन शे + अन चे + अन	नयन शयन चयन
ऐ + अ = आय	नै + अक गै + अक गै + अन	नायक गायक गायन
ओ + अ = अव	पो + अन	पवन
ओ + इ = अवि	पो + इत्र	पवित्र
औ + अ = आव	पौ + अक श्रौ + अन श्रौ + अक	पावक श्रावण श्रावक
औ + ई = आवि	नौ + इक	नाविक
औ + उ = आवु	भौ + उक	भावुक

व्यंजन संधि

- किसी व्यंजन का किसी अन्य व्यंजन या स्वर के साथ मेल होने पर ध्वनियों में उत्पन्न होने वाले विकार को ही व्यंजन संधि कहते है।
- व्यंजन संधि का अन्य नाम (संस्कृत मे) **- हल् संधि**

व्यंजन संधि के कुछ नियम			
संधि का नियम	**नियम**	**संधि-विच्छेद**	**सधि-फल**
1. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद किसी वर्ग का तृतीय या चतुर्थ वर्ण आए या य, र, ल, व या कोई स्वर आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के स्थान पर अपने ही वर्ग का तीसरा वर्ण अर्थात 'ग', 'ज', 'ड', 'द', 'ब', हो जाता है।	क् → ग्, च् → ज्, ट् → ड्, त् → द्, प् → ब्	वाक् + ईश वाक् + ईश्वर दिक् + गज दिक् + दर्शन दिक् + अंबर वाक् + दान सत् + वाणी अच् + अंत अप् + इंधन तत् + रूप जगत् + आनंद	वागीश वागीश्वर दिग्गज दिग्दर्शन दिगंबर वाग्दान सद्वाणी अजंत अबिंधन तद्रूप जगदानंद

		सत् + भावना षट् + आनन सत् + गति उत् + ज्वल तत् + अनन्तर उत् + गम उत् + योग जगत् + ईश षट्+रिपु कृत् + अंत जगत् + अंबा सत् + धर्म सुप् + अन्त उत् + विग्न सत् + आनन्द अप् + धि दिक् + अन्त तत् + अनुकूल	सद्भावना षडानन सद्गति उज्ज्वल तदनन्तर उद्गम उद्योग जगदीश षड्रिपु कृदन्त जगदम्बा सद्धर्म सुबंत उद्विग्न सदानन्द अब्धि दिगन्त तदनुकूल
2. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात् 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद 'न' या 'म' आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' अपने वर्ग के पंचम वर्ण अर्थात् ङ्, ञ, ण, न, म् में बदल जाते हैं।	क्→ङ्, च्→ञ्, ट्→ण्, त्→न्, प्→म्	वाक् + मय षट् + मास जगत् + नाथ अप् + मय तत् + मय सत् + मार्ग उत् + नति उत् + नयन दिक् + नाग षट् + मुख सत् + निवेश दिक् + मण्डल विव्दत् + मूर्ति	वाङ्मय षण्मास जगन्नाथ अम्मय तन्मय सन्मार्ग उन्नति उन्नयन दिङ्नाग षण्मुख सन्निवेश दिङ्मण्डल विव्दन्मूर्ति
3. यदि 'म्' के बाद कोई स्पर्श व्यंजन आए तो 'म' जुड़ने वाले वर्ण के वर्ग का पंचम वर्ण या अनुस्वार हो जाता है। (अपवाद- सम् + कृत = संस्कृत सम् + कृति = संस्कृति)	म् → अनुस्वार/पंचम	अहम + कार किम् + चित् सम् + गम सम् + तोष सम् + चय सम् + मान किम् + कर किम् + नर	अहंकार किंचित् संगम संतोष संचय सम्मान किंकर किन्नर

Toppersnotes Unleash the topper in you

		सम् + कल्प सम् + पूर्ण पम् + चम अकिम् + चन दिवम् + गत परम्+ तु सम् + तप्त सम् + मति अवश्यम् + भावी सम् + शय सम् + विधान	संकल्प संपूर्ण पंचम अकिञ्चन दिवङ्गत परन्तु संतप्त सम्मति अवश्यम्भावी संशय संविधान
4. यदि म् के बाद य, र, ल, व, श, ष, स, ह में से किसी भी वर्ण का मेल हो तो 'म' के स्थान पर अनुस्वार ही लगेगा।	म् → (अनुस्वार)	सम् + योग सम् + रचना सम् + वाद सम् + सार सम् + रक्षण सम् + हार	संयोग संरचना संवाद संसार संरक्षण संहार
5. यदि त् या द् के बाद 'ल','ट', 'ड' रहे तो 'त्' या 'द्' क्रमशः 'ल्', 'ट्', 'ड्' में बदल जाता है।	**त्/द् + ल → ल्**	उत् + लास उद् + लेख तत् + लीन उद् + लाघ उत् + लंघन तडित् + लेखा तत् + टीका	उल्लास उल्लेख तल्लीन उल्लाघ उल्लंघन तडिल्लेखा तट्टीका
6. यदि 't्' या 'द्' के बाद 'ज'/'झ' या 'म' हो तो 'त्' या 'द्'क्रमशः 'ज्' या 'न्', में बदल जाता है।	**त्/द् → ज्**	सत् + जन उद् + झटिका विपत् + जाल जगत् + जीवन शरद् + माला उपनिषद् + मीमांसा जगत् + जननी	सज्जन उज्झटिका विपज्जाल जगज्जीवन शरन्माला उपनिषन्मीमांसा जगज्जननी
7. यदि 't्' या 'द्' वर्ण के बाद 'श' वर्ण आता है, तो 'त्' या 'द्' का परिवर्तन 'च्' में हो जाता है और 'श' का परिवर्तन 'छ' में हो जाता है।	**त्/द् →च्** **श → छ्**	उद् + श्वास उद् + शिष्ट सत् + शास्त्र मृद + शकटिक विद्युत् + शक्ति तत् + शंकर	उच्छ्वास उच्छिष्ट सच्छास्त्र मृच्छकटिक विद्युच्छक्ति तच्छंकर

8. यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'च' या 'छ' हो तो 'त्' या 'द्' का 'च्' हो जाता है।	**त्/द् →च्**	उत् + चारण सत् + चरित्र वृहत् + चयन उत् + छिन्न सत् + चित सत् + चित् + आनन्द	उच्चारण सच्चरित्र वृहच्चयन उच्छिन्न सच्चित सच्चिदानन्द (नियम=1+8)
9. 'त्' या 'द्' के बाद यदि 'ह' हो तो 'त्' एवं 'द्' के स्थान पर 'द्' और 'ह' के स्थान पर 'ध' हो जाता है।	**त्/द् → द्,** **ह → ध**	तत् + हित उत् + हार पद् + हति	तद्धित उद्धार पद्धति
10. जब पहले पद के अंत में स्वर हो और आगे के पद का पहला वर्ण 'छ' हो तो 'छ' के स्थान पर 'च्छ' हो जाता है।	**छ → च्छ**	अनु + छेद परि + छेद आ + छादन संधि + छेद स्व + छंद वृक्ष + छाया श्री + छाया प्र + छन्न लक्ष्मी + छाया मातृ + छाया	अनुच्छेद परिच्छेद आच्छादन संधिच्छेद स्वच्छंद वृक्षच्छाया श्रीच्छाया प्रच्छन्न लक्ष्मीच्छाया मातृच्छाया
11. यदि किसी शब्द के अंत में 'अ' या 'आ' को छोड़कर कोई अन्य स्वर आए एवं दूसरे शब्द के आरंभ में 'स' हो तो तो 'स' के स्थान पर 'ष' हो जाता है।	**स → ष**	अभि + सेक वि + सम नि + सिद्ध सु + सुप्ति वि + साद सु + स्मिता	अभिषेक विषम निषिद्ध सुषुप्ति विषाद सुष्मिता
12. ऋ, र, ष के बाद जब कोई स्वर, कोई 'क' वर्गीय या 'प' वर्गीय वर्ण, अनुस्वार अथवा य, व, ह में से कोई वर्ण आए तो अंत में आने वाला 'न', 'ण' हो जाता है।	**न → ण**	भर् + अन भूष् + अन राम + अयन प्र + मान	भरण भूषण रामायण प्रमाण
13. यदि 'अहन्' शब्द के बाद 'र' आए तो 'अहन्' का 'अहो' हो जाता है	**अहन्** + **र** = **अहो**	अहन् + रात्रि अहन् + रूप	अहोरात्र अहोरूप
14. यदि 'द्' के बाद 'क-ख', 'त-थ', 'प-फ', 'श-ष' आए तो 'द्' अपने ही वर्ग के प्रथम व्यंजन 'त्' में बदल जाता है	**द् → त्**	तद् + पर सद् + कार उद् + साह	तत्पर सत्कार उत्साह

15. 'इ/उ' के बाद 'स्त', 'स्थ', 'स्न' आए तो उनका क्रमशः 'ष्ट', 'ष्ठ', 'ष्ण'हो जाता है	**स → ष**	नै + स्थिक नि + सन्न	नैष्ठिक निषन्न
16. यदि 'ऋ', 'र', 'ष' के बाद 'न' आए तो 'न' 'ण' में बदल जाता है	**न → ण**	परि + नय परि + नाम	परिणय परिणाम
17. यदि प्रथम वर्ण + घोष वर्ण (पंचम वर्ण को छोड़कर) आये तो प्रथम वर्ण अपने वर्ग के तृतीय वर्ण में रूपांतरित हो जाएगा		ऋक् + वेद'	ऋग्वेद
	त् + आ = द्	सत् + आनन्द	सदानंद
18. व्यंजन संधि में यदि त् \+ ट आये तो त् का ट्, त् \+ ड आये तो त् का ड् तथा त् \+ ल् आये तो त् का ल् हो जाएगा।		उत् + डयन	उड्डयन

विसर्ग संधि

- जब विसर्ग (:) के साथ स्वर या व्यंजन का मेल होता है तो इससे शब्द में विकार या परिवर्तन हो जाता है जिसे **'विसर्ग संधि'** कहते हैं।

विसर्ग संधि के नियम			
संधि का नियम	**नियम**	**संधि-विच्छेद**	**संधि-फल**
1. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद में 'अ' हो तो दोनों का विकार 'ओ' हो जाता है।	**अः + अ = ओ**	मनः + अनुकूल यशः + अभिलाषा अन्यः + अन्य मन: + अनुसार	मनोनुकूल यशोभिलाषा अन्योन्य मनोनुसार
2. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद वाले शब्द का पहला अक्षर 'अ' हो तो विसर्ग का लोप हो जाता है।	**अः + अ = अ (विसर्ग लोप)**	अतः + एव यशः + इच्छा	अतएव यशइच्छा
3. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद में किसी वर्ग का तृतीय/चतुर्थ वर्ण अथवा म, य, र, ल, व, ह आए तो विसर्ग 'ओ' में बदल जाता है।	**अः + (ग, घ, द, ध, य, र, ल, व ...) = ओ**	मन:+हर तपः + वन तमः + गुण पयः + द सरः + वर वय: + वृद्ध वयो: + वेग तेजः + बल यशः + धरा मनः + रथ	मनोहर तपोवन तमोगुण पयोद सरोवर वयोवृद्ध वयोवेग तेजोबल यशोधरा मनोरथ

		मनः + रंजन	मनोरंजन
		यश: + दा	यशोदा
		मन:+ दशा	मनोदशा
		रज: + दर्शन	रजोदर्शन
		यशः + वर्मन	यशोवर्मन
		नभः + मण्डल	नभोमण्डल
		अन्ततः + गत्वा	अंततोगत्वा
		सरः + ज	सरोज
		यश: + भूमि	यशोभूमि
		शिरः +भाग	शिरोभाग
		तप: + भूमि	तपोभूमि
		मन: + विकार	मनोविकार
		शिर: + रेखा	शिरोरेखा
		तिरः + धान	तिरोधान
		रजः + भव	रजोभव
4. यदि विसर्ग के बाद अ के अतिरिक्त कोई अन्य स्वर अथवा किसी वर्ग का तृतीय, चतुर्थ या पंचम वर्ण हो या 'य' 'ल' 'व' 'ह' हो तो विसर्ग के स्थान पर 'र्' हो जाता है।	**विसर्ग → र्**	अंत: + ध्यान	अंतर्ध्यान
		दु: + उपयोग	दुरुपयोग
		आयुः + वेद	आयुर्वेद
		ज्योतिः + मय	ज्योतिर्मय
		चतुः + दिशि	चतुर्दिश
		पुन: + जन्म	पुनर्जन्म
		नि: + आहार	निराहार
		निः + जल	निर्जल
		निः + धन	निर्धन
		दु: + आत्मा	दुरात्मा
		निः + लोभ	निर्लोभ
		आशी: + वाद	आशीर्वाद
		आशी: + वचन	आशीर्वचन
		दुः + गुण	दुर्गुण
		दुः + गंध	दुर्गंध
		दु: + ऊह	दुरूह
		निः + आशा	निराशा
		दुः + दशा	दुर्दशा
		नि: + भय	निर्भय
		नि: + उपाय	निरुपाय
		नि: + गुण	निर्गुण
		नि: + मल	निर्मल
		पुनः + उक्ति	पुनरुक्ति
		बहिः + एकता	बहिरेकता

Toppersnotes Unleash the topper in you

5. यदि विसर्ग के बाद 'च'/'छ' या तालव्य 'श' हो तो विसर्ग 'श्' में बदल जाता है।	**विसर्ग → श्**	पुनः + च तपः + चर्या यशः + शरीर मन: + चिकित्सा निः + चय नि: + छल निः + चल हरिः + चन्द्र	पुनश्च तपश्चर्या यशश्शरीर मनश्चिकित्सा निश्चय निश्छल निश्चल हरिश्चंद्र
6. यदि विसर्ग के पहले 'अ' या 'आ' हो और बाद में 'त' या दंत्य 'स' हो तो विसर्ग का 'स्' हो जाता है।	**विसर्ग → स्**	पर: + पर नमः + ते मनः + ताप दु: + तर चन्द्रः + तम	परस्पर नमस्ते मनस्ताप दुस्तर चन्द्रस्तम
7. यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' स्वर हो और बाद में 'क/ख/प/फ' वर्ण हो तो विसर्ग मूर्धन्य 'ष्' में बदल जाता है।	**विसर्ग → ष्**	आविः + कार परि: + कृत चतुः + पाद नि: + कपट दु: + प्रकृति दुः + कर्म दु: + कर दु: + परिणाम निः + प्राण निः + फल निः + काम नि: + पाप	आविष्कार परिष्कृत चतुष्पाद निष्कपट दुष्प्रकृति दुष्कर्म दुष्कर दुष्परिणाम निष्प्राण निष्फल निष्काम निष्पाप
8. यदि विसर्ग के पहले 'अ' या 'आ' हो और बाद में 'क/ख' अथवा' प/फ' हो तो विसर्ग 'स्' में बदल जाता है	**विसर्ग → स्**	पुरः + कार नम: + कार श्रेयः + कर तिर: + कार भा: + कर	पुरस्कार नमस्कार श्रेयस्कर तिरस्कार भास्कर
9. यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' स्वर हो और बाद में 'र्' हो तो विसर्ग से पहले के 'इ' या 'उ' स्वर क्रमशः 'ई' या 'ऊ' में बदल जाते है	**दिर्घीकरण**	निः + रव नि: + रस निः + रोग नि:+ रज	नीरव नीरस नीरोग नीरज

Toppersnotes
Unleash the topper in you

10. विसर्ग + ट/ठ = विसर्ग का 'ष्' में परिवर्तन	**विसर्ग → ष्**	धनुः + टंकार	धनुष्टंकार
11. विसर्ग + त/थ = विसर्ग का 'स्' में परिवर्तन	**विसर्ग → स्**	नि:+ तार निः + तेज इतः + ततः	निस्तार निस्तेज इतस्ततः
12. विसर्ग + श/स = विसर्ग का क्रमशः 'श'/'स्' में परिवर्तन	**विसर्ग → श/स्**	निः + सन्देह दु: + शासन दुः + साहस	निस्सन्देह दुश्शासन दुस्साहस
13. यदि विसर्ग से पहले 'अ' हो और बाद में 'क/ख' या 'प/फ' हो तो विसर्ग सुरक्षित रहता है	**विसर्ग → :**	मन: + कामना अन्तः + करण प्रातः + काल पुनः + प्राप्ति	मन:कामना अन्तःकरण प्रातःकाल पुनःप्राप्ति

Toppersnotes
Unleash the topper in you

21 CHAPTER

Article

- The words “a” , “an” and “the” are called articles. They come before nouns.

Example

(a) This is **a** chair. (b) Sita sang **a** song. (c) This is **an** umbrella.

Kind of Article

Indefinite Article	Definite Article
“A/An” is used before an **indefinite singular noun**.	**“The”** is used before a noun when it is **definite or specific**.
“An” is used when the first sound of the word is a **vowel sound**.	The is called the definite article, because it normally points out some particular person or thing.
“A” is used when the first sound of the word is a **consonant sound**.	

Use of Article “a” and “an”

Rule 1: Based on Pronunciation

- If the first sound of a word is a **consonant sound**, **“a”** is used.
- If the first sound of a word is a **vowel sound**, **“an”** is used.
- “An” is also used before words that may not begin with a vowel letter but have a **vowel sound**.
- “A” is used before words that may begin with a vowel letter but have a **consonant sound** (like “y” or “w” sounds).

Example

a boy, a girl, a university (यूनिवर्सिटी → **y** sound), a one-rupee coin (वन → **w** sound), an orange, an umbrella, an hour, an MLA, an MBA, a European

a. In **an** hour’s time I will be back but now I have to go.
b. Akbar became **an** heir to the throne at a young age of thirteen.
c. **An** interesting book ‘A tale of two cities’ waws written by alexander Dumas.

Rule 2: “A/An” is used before a **singular countable noun.**

Example

a. **A** dog is a loyal companion, always ready to offer friendship and protection.
b. **An** orange is full of vitamin C, making it a healthy snack.

Rule 3:

1. **If a singular countable noun is preceded by an adjective or adverb, a/an is used before it.**
   - ✓ **Structure:** a/an + adjective/adverb + Singular Countable Noun

   Example
   a. He has come out with **a** unique **proposal** for his friends.
   b. The loss of jobs is regarded by some as **a** necessary **evil** in the fight against inflation.
2. **If “so” is used before an adjective/adverb, a/an comes after it.**
   - ✓ **Structure:** So + adjective/adverb + a/an + Singular countable noun

   Example
   a. She is so beautiful **a** girl to entertain you.
   b. He is so intelligent **a** boy.

3. **If "very" is used, a/an comes before "very."**
   - ✓ **Structure:** a/an + Very + Adjective/Adverb + Singular Countable Noun

   Example
   a. She lives in **a very beautiful house**.
   b. I met **a very old man**.
   c. He is **a very tall boy**.

Rule 4: "A/An" can be used in place of each / every / per in certain expressions.

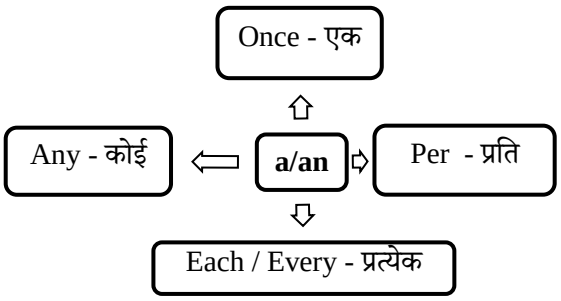

Example
a. I have bought apples at 20 rupees **a** (Per) Kg
b. **A** (Every) student can sole this Questions.
c. I have not solved **a** (any) question in this book.
d. Everyone knows that **the** leopard is faster than any other animal.

Rule 5: When a singular countable noun represents an entire class or species, "a/an" is used.
Example
a. An elephant is a huge animal.
b. A dog is a loyal animal in the earth.

Rule 6: When a verb is used as a noun (gerund/phrase), "a/an" is used before it in certain expressions.
Example
a. I go for **a walk** every morning.
b. He went for **a run** in the park.
c. Take **a look** at this picture.

Note: If the verb acts as a subject (general activity), no article is used.
a. Swimming is beneficial for health. (Swimming = subject (**general activity)**
b. **Reading** improves knowledge.
c. **Walking** keeps us fit.

Rule 7: "A/An" is used before units used for counting nouns.
- ➢ **Unit:** Million/Billion/Hundred/ Thousand/ Dozen
- ➢ **Structure:** a/an + unit + plural noun

Example
a. I have bought **a** Dozen Apples.
b. I am giving you **a** hundred rupees to buy some dress.
c. I have bought **a** dozen apples.
d. There are **a** thousand students in the school.

Note: If the unit is in plural form, "a/an" is not used.

Rule 8: When **many / rather / such / quite** are used before a singular countable noun, "a/an" is used as follows:
- ➢ **Structure:** Many/rather/Such/Quite + a/an + Singular countable noun

Example
a. Many **a student** failed in the exam.
b. It is rather **a difficult problem**.
c. This is such **a beautiful place**.

Rule 9: "A/An" is used before a profession (when the noun is singular and countable).
- ➢ **Structure:** Subject + is/am/are + a/an + profession

Example
a. He is **a teacher**.
b. She is **a police officer**.
c. She is **an artist**.

Use of "The" Article

Use of "The"	Category	Examples / Explanation
Geographical Region	Regions of the world	The Middle East, The Arctic
	Range / Mountain Series	The Himalayas, The Alps
	Sea / Ocean	The Arabian Sea, The Indian Ocean
	Desert / Plateau / Island	The Sahara Desert, The Deccan Plateau
	River / Bay / Lake / Gulf / Canal / Delta	The Ganga, The Bay of Bengal, The Suez Canal, The Nile Delta
	Planet / Group of Countries	The Earth, The United States
Normal Use	Body Parts	hit on the head, pain in the leg
	Musical Instruments	play the guitar, play the piano
	English Newspaper Names	The Times of India, The Hindu
	Committee / Organisation	The United Nations, The Red Cross
	Ordinals	the first, the second, the third

Historical	Dynasty	The Maurya Dynasty, The Gupta Dynasty
	Books	The Ramayana, The Mahabharata
	Battles / Events	The Battle of Panipat, The French Revolution
	Empire	The Mughal Empire
	Caste	The Kshatriyas, The Brahmins
Historical and Public Buildings	Famous buildings	The Taj Mahal, The Red Fort
Historical and Religious Books	Sacred texts	The Vedas, The Quran, The Bible
Sculpture	Statues	The Statue of Liberty
National Party	Political parties	The Indian National Congress
National and International Awards	Awards and honors	The Bharat Ratna, The Nobel Prize

Example

a. The Himalaya Range
b. The Vindhyan Chal Range
c. The Atlantic
d. The Pacific
e. The Sahara Desert
f. The Ganga
g. The Bay of Bengal
h. The Deccan Plateau
i. The Earth
j. The Caspian Sagar Lake
k. The neck
l. The Mouth
m. The World trade Organization
n. The Raghuram Rajan Committee
o. The Nav Bharat Times
p. The Hindu
q. The First,
r. The Last
s. The Mourya
t. The Aaine Akbari
u. The battles of Panipat
v. The Mughal empire
w. The Ramayan
x. The White House
y. The Redfort
z. The Sudra
aa. The BJP
bb. The Bharat Ratna

Rule 1: If a musical instrument is used as a singular countable noun, "a/an" is used.

Example

a. I have bought **a** Piano (SCN).
b. She purchased **a violin**.
c. I saw **a flute** in the shop.

Rule 2: "The" is used with inventions.

Example

a. The telephone is a useful invention.
b. The internet connects the world.
c. The light bulb was invented by Edison.

Note: If an invention is used as a singular countable noun, "a/an" is used.

Example

a. I bought **a computer**.
b. She purchased **a telephone**.
c. He has **a mobile phone**.

Rule 3: Place Related Noun

1. **If the name of a place (country/state /tehsil/village) is given, no article is used.**

   Example

   a. India is big country.
   b. He lives in Rajasthan.

2. **Group of Countries:** If a country name includes words like **United/Union/ Kingdom / Republic,** "the" is used.

   Example

   a. He lives in the **United States**.
   b. She went to the **United Kingdom**.
   c. **The Republic of Korea** is a developed nation.

3. **If a place is made specific, "the" is used.**

   Example

   a. The station is near my house.
   b. The City of Joy.
   c. Patna is the Newyork of India.

4. **If a place name is used with another place or person's name, generally no article is used.**

   Example

   a. Delhi University
   b. the Gandhi Park

5. **Primary vs Secondary Use of Place**

   i. When used for its **primary purpose**, no article is used.
   ii. When used for a **secondary purpose**, "the" is used.

   Example

   a. I go to school daily for study. (Primary Work)
   b. I went to **the school** to meet the teacher. (Secondary Work)
   c. He went to **the hospital** to see his uncle. (Secondary Work)

Rule 4: "The" is used with community or nationality.

Example

a. The Indian
b. The Punjabi
c. The Gujrati
d. The first European sailor to come in India in modern time was Vasco-di- Gama.

Note: If nationality is used as a **singular countable noun**, "a/an" is used.

- **Structure:** a/an + nationality + singular noun

Example

a. He is **an** Indian.
b. She is **a** British girl.
c. He is **a** Gujarati trader.

Rule 5: Language/ Subject Related Noun

1. **No article is used with names of languages or subjects.**

   Example

   a. English
   b. Maths
2. **If the word "language" or "Translate" is used in conjunction with a specific language, the article "the" is used.**

- **Structure**: the + language name + language/translation

Example

a. **The** Hindi language is very sweet.
b. Translate this into **the** French language.
c. **The** translation of the Sanskrit language is difficult.

3. **If a subject is made specific (noun + of noun), "the" is used.**

   Example

   a. **The** history of India is very interesting.
   b. **The** chemistry of this reaction is complex.
   c. **The** geography of Rajasthan is unique.

Special Rule of Article

Rule 1: Name Related

1. **No article is used with a person's name.**
2. **If Mr./Mrs./Miss + surname is used (referring to an unknown person), a/an is used before it.**

- **Structure**: a/an + Mr./Mrs./Miss + Surname

Example

a. **A** Mr. Sharma wants to meet you.
b. I met **a** Miss Roy yesterday.

3. **If a proper noun is used as a proper adjective (to show comparison/ quality), "a/an" is used.**

   Example

   a) He is **a** Gandhi of our village.
   b) She is **a** Lata Mangeshkar in singing.
4. **If such a comparison is made superlative (unique/ideal), "the" is used.**

   Example

   a. He is **the** Gandhi of our town.
   b. She is **the** Lata Mangeshkar of our school.
   c. Ahmedabad is trying to become **the** next Manchester of India.

Rule 2: Name of Meal

1. **No article is used with breakfast, lunch, dinner, brunch.**

   Example

   a. I had lunch.
   b. She eats breakfast at 8.
2. **If an adjective is used before them, a/an is used.**

- **Structure:** a/an + Adjective + Brunch/Lunch/Breakfast/Dinner

Example

a. I have taken **a** good lunch.

3. **If "Brunch/Lunch/Breakfast/Dinner" is specified, then "The" is used.**

   Example

   a. I have taken **the** lunch today.
   b. **The** lunch which I have taken today is super.

Rule 3: "By" with Transport / Units

- ✓ When **"by"** is used before a **means of transport**, no article is used.
- ✓ When **"by"** is used with a **unit of measurement**, "the" is used.

Example

a. I am going to Delhi by air.
b. You have sold apple by the kilo.

Rule 4: No article is used before material nouns, names of sports, and diseases (in general).

1. **If a material noun is made specific, the article "The" is used.**

   Example

   a. **The** ring made of the gold of America.
2. **If the Name of Sports (Games) is made specific, the article "The" is used.**

   Example

   a. **The** cricket of India is very good at present time.
   b. I am playing cricket.
3. **Some diseases like mumps, measles, plague do not take an article generally, but "the" may be used in a specific context.**

   Example

   a. Mumps is a contagious disease.
   b. **The** measles outbreak was severe last year.

Rule 5: Blood relation – No article is used with words like **father, mother, uncle, aunt,** etc.

1. **If "father," "mother," "sister," or "brother" is used as a title, "the" is used.**

- The father – Principal (Head)
- The mother – Orphanage head
- The sister – Head of nurse
- The brother – head of criminal society.

Example

a. **The** mother of the child was very worried about his health.

2. **If the blood relation is specified, the article "The" is used.**

   Example

   a. **The** brother of Suresh is a nice person ever I met.

Rule 6: Festival / Day / Month / Year / Week : No article is used with these in general.

1. **No article is used with these in general.**
   (The + Festival name + festival)
   Example
   a. I am celebrating Diwali.
   b. I am celebrating **the** Diwali festival.
2. **If the date, month, year, or week is specified, the article "the" is used.**
   Example
   a. **The** date of the meeting is confirmed as 25th March.
   b. **The** year 2020 was marked by the pandemic.

Rule 7: "The" is always used with the superlative degree. (The + superlative degree)

Example
a. **The** best student in the class received an award.
b. **The** largest chunk of the bulk drug requirement is met through cheap imports from China.
c. It is **the** most beautiful flower in the nursery.

1. **If "of the two" is used in sentence. → the + comparative degree**
   Example
   a. Seeta is **the** more beautiful girl of the two sisters.
   b. Of the two sisters, she is **the** better.
2. **If "of the two" is used → the + comparative degree**
   Example
   a. You will go the higher, you will feel the colder.

Rule 8: "A" may be used with university in general reference.

1. **If the name of a person or place accompanies the word "University," no article is used.**
   Example
   a. Dr. Hari Singh gaur university
   b. The Delhi university
2. **The article 'The' is used with certain foreign universities.**
   Example
   a. The oxford university,
   b. The Howard university

Rule 9: If two qualities are expressed about the same person using "and," no article is repeated.

Example
a. Kalidas was **a** poet and dramatist.

Rule 10: If the word 'Home' is used in a sentence, no article is required; however, an article is used with 'House'.

Example
a. He arrived home after dark.

Toppersnotes
Unleash the topper in you